गंगा नदी के पानी के प्रदूषण को कम करने के लिए उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल इन तीन राज्यों के लिए 258.44 करोड़ रुपये की लागत पर 262 स्कीमें मंजूर की गई हैं।

(ख) सभी अभिनिर्धारित नगरों में निर्माण-कार्य प्रारंभ हो चुका है। 50 स्कीमें पूरी हो चुकी हैं।

(ग) और (घ) परियोजनाओं के नगरवार पूरा होने की अलग-अलग तिथि निर्धारित नहीं की गई है। परंतु, संस्वीकृत 262 में से अधिकांश स्कीमों के पूरे होने की प्रत्याशित तिथि सातवीं पंचवर्षीय योजना की अवधि का अंत है और आशा है कि इस समय-सीमा तक काम पूरा हो जाएगा। शेष स्कीमों का कार्य आठवीं पंचवर्षीय योजना के प्रारंभिक वर्षों में पूरा हो जाएगा।

(ङ) और (च) लिंक के कारण लागत में होने वाली वृद्धि, यदि कोई है, का इस समय निर्धारण करना संभव नहीं है।

Crimes in running Trains

*205. SHRI V. GOPALSAMY: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) how many dacoities, murders and thefts were committed in running trains during the last three years in various Railway Zones, yearwise and Zonewise;

(b) how many of these crimes have been successfully solved; and

(c) what steps are being taken to check such crimes?

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI BUTA SINGH): (a) and (b) Cases of crime on Railways are reported to, registered and investigated by the State Government agencies, including Government Railway Police, which functions under the control of State Governments.

The number of cases registered under dacoities, murders, thefts and also the number of cases solved out of such registered crimes are not compiled by the Central agencies.

(c) Government Railway Police provides escorts on fast/super fast, Mail/Express trains according to the local conditions and requirements. Railway Protection Force also assists the Government Railway Police in this task as and when necessary.

लघु क्षेत्र द्वारा निर्यात

*207. सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा:
श्री राम जेठमलानी:

क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि पिछले वर्ष अधिकांश निर्यात-कारबार लघु क्षेत्र द्वारा किया गया था;

(ख) 1987-88 में और चालू वित्तीय वर्ष के दौरान दिसम्बर तक कुल कितने मूल्य का निर्यात किया गया;

(ग) निर्यात से अर्जित राशि में लघु औद्योगिक क्षेत्र का कितना अंश है;

(घ) क्या यह भी सच है कि उक्त अवधि के दौरान लघु क्षेत्र की अपेक्षा बड़े उद्योगों ने देश में अधिक आयात किया है, और

(ङ) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है?

वाणिज्य मंत्री (श्री दिनेश सिंह): (क) से (ग) वर्ष 1987-88 के लिए लघु उद्योगों द्वारा किए गए निर्यात के बारे में जानकारी उपलब्ध नहीं है। फिर भी, विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय से प्राप्त अनुमानित आंकड़ों के अनुसार वर्ष 1986-87 के दौरान लघु उद्योग क्षेत्र से 3648 करोड़ रु. मूल्य के निर्यात हुए थे जो कि उस वर्ष हुए कुल निर्यात का 29% बैठता है। संशोधित अनन्तिम आंकड़ों के अनुसार